भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 477

25 जून, 2019 को उत्तरार्थ

विषय: किसानों की आय दोगुनी करना

477. श्री मोहम्मद फैजल पी.पी.

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वर्तमान भारतीय कृषि परिदृश्य के मद्देनजर किसानों की आय दोगुनी करने की चुनौती तर्कसंगत है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या फसलों की खेती पर पूरी तरह निर्भरता की बजाय वन उपज के विविधीकरण से किसानों की आय में बढ़ोतरी की जा सकती है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

<u>कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेंद्र सिंह तोमर)</u>

(क) एवं (ख): जी, हां। सरकार ने अप्रैल, 2016 में "किसानों की आय दोगुनी करने" से संबंधित मुद्दों की जांच करने तथा इस लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु संस्तुत कार्यनीतियों के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समिति गठित की है। समिति ने सितंबर, 2018 में सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी है। इन सिफारिशों में हुई प्रगति की निगरानी तथा समीक्षा करने के लिए एक अधिकार प्राप्त निकाय की भी स्थापना की गई है।

(ग) किसानों की आय दोगुनी करने (डीएफआई) वाली समिति कृषि को एक मूल्य नीत उद्यम के रूप में चिन्हित करती है तथा वृद्धि के 7 मुख्य स्त्रोतों को चिन्हित किया है, जैसे, कृषि उत्पादकता में सुधार, पशुधन उत्पादकता में सुधार, संसाधन उपयोग सक्षमता अथवा उत्पादन की लागत में बचत; फसलन सघनता में वृद्धि; उच्च मूल्य फसलों में विविधता, किसानों द्वारा प्राप्त वास्तविक मूल्यों में सुधार, तथा कृषि से गैर-कृषि व्यवसाय का रूख करना इत्यादि। डीएफआई समिति की सिफारिशों पर कई पहले शुरू की गई हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सभी कार्यक्रम इन सिफारिशें को पूर्ण करने हेतु प्रतिबद्ध है।

(घ) एवं (ङ.) जी, हां। बांस मिशन कृषि वानिकी किसानों की अतिरिक्त आय, खाद्य, चारा तथा अन्य उत्पादों के स्त्रोत के साथ-साथ जोखिम प्रबंधन हेतु सरकार द्वारा चलाई गई समेकित कृषि प्रणाली का हिस्सा है।

सरकार कृषि-वानिकी उप-मिशन (एसएमएएफ), राष्ट्रीय बांस मिशन (एनबीएम) तथा राष्ट्रीय तिलहन एवं ऑयल पाम मिशन (एनएमओओपी) के माध्यम से राज्यों की सहायता कर रही हैं।

*****